समाजसेवा के गौरव की अनुभूति कराते नवसृजन आन्दोलन

भावी पीढ़ी का पथ-प्रदर्शन

विद्यार्थियों को व्यसन से बचाने, सृजन में लगाने का यशस्वी प्रयास

अकोला (महाराष्ट्र)

गायत्री परिवार की रामदास पेठ शाखा के समर्पित कार्यकर्ता डॉ. सुरेश मदनलाल राठी ने विद्यार्थियों में व्यसनमुक्ति एवं कुरीति उन्मूलन का संकल्प जगाने के कार्य को अपनी सक्रियता की धुरी बना लिया है। बीमारी के उपचार की बजाय उससे बचाव को ही श्रेष्ठ मानने वाले डॉ. राठी ने वर्ष २००७-०८ में अब तक १०१ स्कूलों में कार्यक्रम सम्पन्न करते हुए ५० हजार से अधिक विद्यार्थियों को संबोधित किया और संकल्प कराये हैं।

डॉ. सुरेश राठी म. फुले विद्यालय, मोरगाँव के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए

डॉ. सुरेश राठी ने अकोला के अलावा अमरावती, वाशिम, बुलढाणा, वर्धा, नागपुर जिले के स्कूलों में जाकर भी अपना संदेश दिया। वे अपने कार्यक्रमों में व्यसन-कुरीति उन्मूलन, गो संवर्धन, नारी जागरण आदि की फोटो प्रदर्शनी भी अपने साथ रखते हैं और बच्चों को समझाते हैं। सभी कार्यक्रम नि:शुल्क होते हैं। डॉ. राठी ढपली पर गीत गाते-गाते हँसते-खेलते बच्चों को बहुत कुछ संदेश दे देते हैं। व्यसनमुक्ति के अलावा वे अन्य बुरी आदत एवं कुसंस्कारों से बचने, गोपालन, पानी की खेती, ग्राम स्वच्छता, योगाभ्यास, दहेज उन्मूलन, मांसाहार त्याग, पर्यावरण संवर्धन, स्वदेशी का प्रयोग आदि की प्रेरणाएँ बच्चों को देते हैं। उनके प्रभावशाली कथन से उत्साहित बच्चे गीतों को फिर से सुनने की माँग से नहीं चूकते। श्री दत्ता ठाकरे एवं डॉ. अजय उपाध्याय उनके समाज सुधारक अभियान में प्रमुख सहयोगी हैं। आसपास के क्षेत्र में उनकी नि:शुल्क सेवाएँ प्राप्त करने के लिए मोबाईल क्रमांक-9881047361 पर संपर्क किया जा सकता है। ☯

अपनेपन के अहसास से भीगी पलकें

वरिष्ठ जनों का नागरिक सम्मान

कानपुर (उत्तर प्रदेश)

उपजोन कार्यालय, बालूघाट, शुक्लागंज द्वारा २४ फरवरी को वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें ७० वर्ष से अधिक के नागरिकों का बड़े आत्मीयतापूर्ण वातावरण में सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का आरंभ सन् १९१९ में जन्मे और पू. गुरुदेव को सन् ५६ से ही समर्पित श्री प्रेमनारायण त्रिवेदी द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात् शक्तिपीठ व्यवस्थापक श्री रामचंद्र गुप्ता, श्री रामसागर वर्मा, श्री शिवकुमार तथा बहिन सावित्री वर्मा ने ४१ वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया। इस अवसर पर सम्मानित होते वरिष्ठजनों ने अपने मार्मिक संस्मरण सुनाए, जिन्हें सुनकर दर्शकों की आँखों से अश्रुओं की अविरल धारा बहती देखी जा सकती थी। श्री वेदनारायण त्रिपाठी एवं उनकी सहधर्मिणी ने सबको अपनी मिशनरी सक्रियता के संस्मरण सुनाते हुए पू. गुरुदेव के सान्निध्य में अपना जीवन शान से व्यतीत करने की प्रेरणा दी। देसंविवि की छात्राओं ने दहेज विरोधी नाटक का मंचन किया। समारोह का समापन सहभोज के साथ हुआ। ☯

सृजनशील विभूतियों का नागरिक सम्मान

जयपुर (राजस्थान) - गायत्री महिला मण्डल, ज्योति नगर की संचालिका सुश्री अनीता बस्सी को कडवुर, मदुरई की एक स्वयंसेवी संस्था सीईएससीआई द्वारा **'माजा कोयनो सम्मान'** प्रदान किया गया। ५ फरवरी को इस संस्था ने श्रीमती अनीता बस्सी को शॉल, प्रमाण पत्र एवं १० हजार रुपये की नकद राशि प्रदान करते हुए सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें आदिवासी एवं वंचितों की सेवा के लिए प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि वे इस समुदाय के बच्चों के लिए बाल संस्कार शाला भी चलाती हैं।

सुश्री अनीता बस्सी

खाचरोद, उज्जैन (मध्य प्रदेश)

नगरपालिका, खाचरोद द्वारा गणतंत्र दिवस पर गायत्री परिवार की स्थानीय शाखा के कार्यवाहक डॉ. नरसिंह शर्मा का नागरिक अभिनंदन किया गया। नगरपालिका प्रांगण में आयोजित समारोह में उन्हें वर्ष २००७ में रक्तदान, नारी सशक्तीकरण, कुरीति उन्मूलन, संस्कार संवर्धन के लिए नगरपालिका की ओर से वरिष्ठ नागरिक सेवा सम्मान प्रदान किया गया। श्रीमती गीताबाई अलोलिया-नगर पालिका अध्यक्ष, श्री यादव-मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्री बी.आर. कामले-मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा तमाम गणमान्यों ने संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्त्वावधान में योग एवं आयुर्वेद को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित करते हुए खाचरोद को गौरवान्वित करने के उपलक्ष्य में भी इन्हें सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. नरसिंह शर्मा को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा सेवाश्री सम्मान सहित कई महत्त्वपूर्ण प्रतिष्ठानों द्वारा सम्मानित जा चुका है। ☯

बेटी बचाओ अभियान

कन्याभ्रूण हत्या रोकने के लिए चिकित्सकों को दिलाये संकल्प

कोख की बच्ची कहे पुकार, हमको है जीने का अधिकार।

कानपुर (उत्तर प्रदेश)

गायत्री परिवार शाखा जे.के.कॉलोनी द्वारा कन्या भ्रूण हत्या को रोकने हेतु एक अभिनव प्रयास 'बेटी बचाओ अभियान' के रूप में प्रारम्भ किया गया है। इसके अन्तर्गत एक संकल्प सभा का आयोजन जी.एस. वी.एम.मेडिकल कॉलेज कानपुर में दि. ८ फरवरी २००८ को किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी चिकित्सकों ने कन्या भ्रूण हत्या रोकने का संकल्प लिया। 'कोख की बच्ची कहे पुकार-दे दो हमें जीने का अधिकार', 'सुनो कोख की गूँगी चीख-माँग रही जीवन की भीख' नारे लगाते हुये माधवी सेंगर, आभा टण्डन ने चिकित्सकों को संकल्प सूत्र बांधे।

पूज्य आचार्यश्री एवं माँ गायत्री के समक्ष दीप प्रज्वलन कर मुख्य अतिथि मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा. एस.के. कटियार ने सभा का उद्घाटन किया। मुख्य वक्ता महिला प्रसूति विभागाध्यक्ष डॉ. किरन पाण्डेय ने कन्याओं की व्यथा को इस भावपूर्ण तरीके से रखा कि उपस्थित श्रोताओं के साथ विशिष्ट अतिथि मुस्लिम पर्सनल लॉ के बोर्ड सदस्य डॉ. नईम हामिद फूट-फूट कर रो पड़े। बाल रोग विभागाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय बाल रोग अकादमी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा. वी.एन.त्रिपाठी, प्रख्यात समाजशास्त्री डॉ.वी.एन.सिंह, आई.ए.एस. को प्रशिक्षण देने वाले प्रतिष्ठित संस्थान उत्कर्ष अकादमी के निदेशक डॉ. प्रदीप दीक्षित आदि के उद्गारों से इस अभियान को बल प्रदान किया। अध्यक्षता करते हुये इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन के महासचिव डा. कुलदीप सक्सेना ने कहा कि उनकी सम्पूर्ण संस्था गायत्री परिवार के साथ खड़ी है एवं संस्था का प्रत्येक कार्यक्रम में हमारा पूरा सहयोग रहेगा।

कार्यक्रम संयोजक मनोज सेंगर ने इस अवसर पर उपस्थित प्राय:चार सौ से अधिक चिकित्सकों को सम्बोधित करते हुये कहा कि यदि हमारे चिकित्सक तय कर लें कि लिंग परीक्षण नहीं करेंगे, तो गर्भ में बच्चियों की हत्या रोकी जा सकती है। घनश्याम शुक्ल, संजय भारती, प्रेम किशोर कपूर ने मिलकर शान्तिपाठ कर सभा का विसर्जन किया। अभियान को व्यापक जन समर्थन मिल रहा है, शहर के प्राय: सभी संगठन गायत्री परिवार के साथ एक बड़े जनान्दोलन हेतु एकजुट होकर कार्य करने को तत्पर हैं। नगर में इसे एक सार्थक पहल माना जा रहा है। ☯

सुश्री स्वाती जोशी की प्रगतिशील पहल

पुत्री ने पिता को मुखाग्नि दी

उदयपुर (राजस्थान)

गायत्री परिवार, उदयपुर शाखा के सक्रिय सदस्य श्री प्रवीण जोशी का फरवरी के द्वितीय सप्ताह में आकस्मिक देहावसान हो गया। परम पूज्य गुरुदेव के निकट सान्निध्य एवं गायत्री परिवार के प्रगतिशील विचारों के बीच पली उनकी इकलौती बेटी सुश्री स्वाती सामाजिक परम्पराओं की परवाह न करते हुए एक पुत्र की भाँति ही अपने पिता का अंतिम संस्कार करने स्वयं अहिंसापुरी श्मशान घाट पहुँची और अपने पिता को मुखाग्नि प्रदान की। जोनल संगठन प्रभारी श्री घनश्याम पालीवाल ने पूरे विधि-विधान से उनके पार्थिव देह को यज्ञ भगवान को समर्पित किया। डॉ. आलोक व्यास, श्री आर.डी. गुप्ता, श्री जयप्रकाश सनाढ्य स्व. जोशी जी के अंतिम संस्कार में शामिल थे, जबकि शांतिकुंज से आदरणीय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी ने उदयपुर पहुँचकर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि प्रदान की। ☯

सुश्री स्वाती जोशी पिता को मुखाग्नि देती हुई

शक्तिपीठ पर चिकित्सा शिविर

जयपुर (राजस्थान)

अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के अन्तर्गत उपजोन केन्द्र गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी में १२ फरवरी को प्रात: १० बजे से सायं ४ बजे तक राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, माधव विलास, जयपुर के शल्य विभाग चल चिकित्सालय द्वारा शल्य से सम्बन्धित डेढ़ सौ रोगियों को परामर्श एवं उपचार दिया गया। केन्द्र प्रभारी श्री नेतराम शर्मा के अनुसार एसो.प्रोफेसर डॉ. महेन्द्र शृंगी, डॉ. विष्णु शर्मा पीएचडी स्कॉलर, श्रीमती स्नेहरंगा एमएस स्कॉलर, डॉ. अमर एसएस स्कॉलर सहित १३ सदस्यीय दल ने परीक्षण किया एवं नि:शुल्क औषधियाँ बाँटी। अस्थि रोग, चर्म रोग, अर्श, भगन्दर एवं शल्यकर्म के पहले एवं बाद के रोगियों को परामर्श दिया गया। ☯

गतिशील हुआ वृक्षगंगा अभियान

२०११ तक २४००० वृक्ष लगाने का संकल्प

बैतूल (मध्य प्रदेश)

गायत्री परिवार की बैतूल शाखा ने अपनी गुरुसत्ता का बोध दिवस पूरी श्रद्धा और साधना-विधान के साथ मनाते हुए सृजनात्मक आन्दोलनों को गति प्रदान करने के संकल्प लिए। इस क्रम में शाखा द्वारा पिछले कई वर्षों से चलाये जा रहे वृक्षगंगा अभियान के अंतर्गत नये संकल्प लिए गये। परिजनों ने वसंत पर्व के दिन ग्राम कोसमी में जाकर घर-घर पौधे रोपे और ग्रामवासियों से संकल्प कराये।

श्री चन्दूलाल थारवानी वाहन को हरी झंडी दिखाते हुए

बैतूल जिले के आठनेर में १०८ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ प्रस्तावित था। आठनेर शाखा ने इस यज्ञ से लेकर परम पूज्य गुरुदेव के जन्म शताब्दी वर्ष तक २४ हजार वृक्ष लगाने का संकल्प लिया है। शाखा ने इस वसंत पर्व पर गायत्री शक्तिपीठ पर अशोक के १००० पौधों का पूजन कर उसे वृक्षगंगा वाहिनी से आठनेर के लिए रवाना किया। श्री चन्दूलाल थारवानी ने वाहन को हरी झंडी दिखाई। इस अभियान में सर्वश्री जवाहरलाल चौधरी, अजय वर्मा, मधुकर वर्मा, भविष्य खण्डेलवाल, श्रीमती कुसुम चौहान, श्रीमती दुर्गाबाई, श्रीमती बोखण्डे, मुकेश वर्मा आदि समर्पित भाव से सक्रिय हैं।

वसंत पर्व की पूर्व संध्या पर शक्तिपीठ पर २४ घण्टे का अखण्ड जप हुआ। ११ फरवरी को पर्वपूजन, यज्ञ, सामूहिक संस्कार एवं विवाह हुए। ☯

सौदे की तरह उपकार मत करो, उसे कर्त्तव्य मानकर करने से ही संतोष मिलता है। प्रत्युपकार की भावना तो खीज और निराशा ही देती है।